पढ़ाई छोड़ चुके 77 विद्यार्थियों ने दी बोर्ड परीक्षा, 44 पास

हिंदुस्तान पावर सीएसआर की मदद से हुए उत्तीर्ण

जैतहरी। हिंदुस्तान पावर सीएसआर की मदद से अनूपपुर के उन कई विद्यार्थियों ने मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में कामयाबी हासिल की है, जिन्होंने किन्हीं कारणों से बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। सीएसआर शाखा की शैक्षिक पहल से लाभ उठाने वाले विद्यार्थियों में से जिन 77 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा दी, उनमें से 44 उत्तीर्ण हुए हैं। इन्होंने प्राइवेट विद्यार्थी की हैसियत से बोर्ड परीक्षा दी।

इस प्रकार रहा परीक्षा परिणाम

उत्तीर्ण विद्यार्थियों में नरेश शर्मा भी शामिल हैं, जिन्होंने असमय अपनी पढ़ाई को विराम दे दिया था, पर सीएसआर की शैक्षिक पहल का लाभ उठाकर बोर्ड परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की है। इन 44 विद्यार्थियों में 31 ने द्वितीय श्रेणी और 12 ने तृतीय श्रेणी से परीक्षा पास की है। भारत के कई जिलों की तरह अनूपपुर भी एक ऐसा जिला है जहां हाईस्कूल तक जाते-जाते एक बड़ी तादाद में विद्यार्थी पढ़ाई को विराम दे देते हैं। इसके पीछे कई कारण होते हैं। ऐसे में ये युवा विकास अवसरों से वंचित रह जाते हैं।

ड्रॉप-आउट बच्चों को मेनस्ट्रीमिंग में लाने की पहल

जिले में, असमय पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों ड्रॉप-आउट की बढ़ती तादाद को देखते हुए हिंदुस्तान पावर सीएसआर ने स्थानीय प्रशासन की सलाह पर ड्रॉप-आउट मेनस्ट्रीमिंग क्लास नामक पहल की अवधारणा पर अमल किया। इसके पीछे पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों को फिर से शिक्षा की मुख्यधारा में लाकर उन्हें विकास अवसरों से जोड़ना है। इस साल एमपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में करीब 54 फीसदी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि अनूपपुर का यह आंकड़ा 55 फीसदी है। सीएसआर के इस शैक्षिक कार्यक्रम के तहत शिक्षकों ने नवंबर, 2015 से फरवरी तक इन विद्यार्थियों को पढ़ाया। इन्हें कामयाबी दिलाने के लिए सप्ताह में छह दिन पढ़ाई सुनिश्चित की गई।

पूरक परीक्षाओं की तैयारी भी जारी

हिंदुस्तान पावर की सीएसआर प्रमुख रानू कुलश्रेष्ठ कहती हैं कि सीएसआर शाखा अनूपपुर में स्थानीय समुदायों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए कई विकल्प मुहैया कराती रही है और युवा सशक्तिकरण में शिक्षा की महत्ता को देखते हुए हमने ड्रॉप-आउट मेनस्ट्रीमिंग क्लास कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया। हमें इसकी अपार खुशी है कि इस परीक्षा के लिए हमारे साथ पंजीकृत विद्यार्थियों में से 59 फीसदी ने कामयाबी हासिल की है, वहीं परीक्षा में नाकाम रहने वाले विद्यार्थियों में से 18 ने पूरक परीक्षा में बैठने का निर्णय किया है और उनकी तैयारी ज है। इसके लिए हम जैतहरी उच्च विद्यालय के प्रिंसिपल के भी आभ हैं जिन्होंने बुनियादी सुविधाएं प्र कर और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन हमारा हौसला बढ़ाया।